EENADU INDIA हिन्दी

इस 'प्रोजेक्ट धूप' से देश होगा कुपोषण मुक्त, जानिए कैसे...

Published 30-Mar-2018 21:45 IST

नई दिल्ली। सीबीएसई और एनडीएमसी के साथ मिलकर एफएसएसएआई 'प्रोजेक्ट धूप' चलाएगा। साथ ही पोषक तत्वों के उत्पाद की पहचान करने के लिए पैकेट पर 'एफ' निशान होगा। क्या है यह प्रोजेक्ट जानने के लिए पढ़ें खबर...।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार सर्वेक्षण (2016) के अनुसार, देश में स्कूल जाना शुरु करने से पहले लगभग 70 प्रतिशत बच्चे और करीब 50 प्रतिशत महिलाएं लौह तत्व की कमी से होने वाले खून की कमी (ऐनीमिया) की बीमारी से पीड़ित हैं। यही नहीं भारतीय आबादी का 70 प्रतिशत हिस्सा सूक्ष्म पोषक तत्वों की अनुशंसित दैनिक मात्रा का 50 प्रतिशत से भी कम की खपत करते हैं। इसे देखते हुए भारत में खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बड़े पैमाने पर खाद्य पोषण के बारे में जागरुकता बढ़ाने का कार्यक्रम बनाया है।

विटामिन- डी के महत्व से होंगे अवगत

इस कार्यक्रम में एफएसएसएआई के साथ सीबीएसई, एनडीएमसी और एक निजी कंपनी भी शामिल होंगी। इसमें स्कूल जाने वाले बच्चों को सूरज की रौशनी से मिलने वाली विटामिन- डी के महत्व और अच्छे भोजन के सेवन के प्रति जागरुकता फैलाया जाएगा।

Logo 'एफ' का शुभारंभ

एफएसएसएआई के सीईओ पवन अग्रवाल ने बताया कि खाद्य पोषण को लेकर एक आसान, सस्ती और अनमोल रणनीति बनाई जा रही है। जिससे दुनिया भर में विटामिन और खनिज की कमियों को लेकर भावी ढंग से रोका जा सके। उनका कहना है कि बड़े पैमाने पर बढ़ रहा कुपोषण देश के स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा है, जिससे हमारे समाज और देश का विकास प्रभावित होता है। उनका कहना है कि उपभोक्ताओं को पोषक तत्वों के उत्पाद की पहचान करने के लिए एक Logo 'एफ' का शुभारंभ किया।